B.Ed IInd YEAR (19-21)
EPC - 3 (ICT)

P.P.T (Power Point) स्लाइड्स बनाना और उनका Presentation करना

⇒ Microsoft कंपनी ने कई महत्वपूर्ण तथा उपयोगी computer software लॉन्च किये है। Microsoft कंपनी ने M.S. Power Point नामक एक software लॉन्च किया। Power Point software वास्तविक रूप से M.S. Office का ही एक अंग है।

वर्तमान युग को हम सूचना प्रौद्योगिकी का युग कह सकते है। आज प्रत्येक औद्योगिक इकाई तथा व्यवसायिक प्रतिष्ठान सूचना प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर Marketing कर रहा है। वे अपने उत्पाद तथा उत्पाद से संबंधित तथ्यो को अधिक से अधिक प्रभावी रूप से प्रस्तुत करना चाहती है।

1. प्रस्तुतीकरण (Presentation) :- User अपने विचारो, तथ्यो तथा सूचनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए Power Point का बड़ा ही सुविधा के साथ प्रयोग कर सकता है। User श्रव्य (Audio), दृश्य (visual) तथा पाठ्य (Text) सभी प्रकार की सूचनाओं को प्रभावी रूप से प्रस्तुत कर सकता है।

2. प्रभाव देना (To Give Effects) :- Power Point की सहायता से Presentation करते समय User अपने Presentation को अधिक प्रभावी रूप प्रदान करने के लिए विभिन्न उपाय कर सकता है—

(i) आवाज को प्रभावी बनाकर अन्य व्यक्ति के आवाज का भी समावेश कर सकता है।

(ii) Picture की सहायता लेकर Presentation को प्रभावी बनाना।

(iii) रंगो का उपयोग करके Presentation को प्रभावी बनाना।

3. Presentation slides :- user 35 mm slides तैयार कर इन स्लाइडों को still projector की सहायता से बड़े पर्दे पर विस्तार से अपना प्रस्तुतीकरण कर सकता है।

4. Wizard :- Power Point की सबसे उत्तम व्यवस्था wizard की है। wizard user को Power Point पर कार्य करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करता है।

5. Web Presentation :- User जब अपना प्रस्तुतीकरण कर रहा होता है तब वह अपने प्रस्तुतीकरण को Internet के किसी भी सर्वर (Server) से जोड़ कर अपने Presentation को दूसरे computer में देख सकता है।

⇒ कुछ अन्य उपयोगी सॉफ्टवेयर :-

अधिगम वातावरण में बहुमाध्यम का प्रयोग करना बहुत ही लाभदायक होता है लेकिन यह बहुत ही कठिन एवं चुनौतिपूर्ण कार्य है। सभी प्रकार के बहुमाध्यम प्रारूप पहले से ही उपलब्ध होते हैं जैसे - Text, sound, video, Animation, Graphics। इनके माध्यम से विद्यार्थी असीमित सूचना प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थी विभिन्न स्त्रोतों से इनको खोज सकते हैं। जैसे - पुस्तकालय, Internet, पत्र-पत्रिकाएँ आदि। विद्यार्थी एक सूचना को तीन तरह से प्रयोग करते हैं -

1. अनुसंधानकर्ता के रूप में उन्हें आवश्यकता के अनुसार सूचना के स्त्रोत पर पहुचना होता है।

2. लेखक के रूप में उन्हें यह निर्णय करना होता है कि सूचना को समझने के लिए उसे किसी प्रकार

प्रस्तुत करना चाहिए।

3. एक डिजाइनर के रूप में उन्हे सूचना को प्रस्तुत करने के लिए एक उचित माध्यम चुनना होता है।

उचित माध्यम को प्रयोग करने के लिए श्रोताओं और प्रयोगकर्ता को मशीन के बारे में जानकारी होना चाहिए।

बहुमाध्यमों के प्रयोग से अधिगम वातावरण तैयार करने के लिए ऐसे software प्रयोग करने कि आवश्यकता होती है जिनके माध्यम से विद्यार्थी अन्तःक्रिया कर सके। जैसे- video clip, Animation और sound के प्रभावों को उत्पन्न करना, निर्देशो को सुनना।

कुछ ऐसे प्रोग्राम भी है जो विद्यार्थियों में योजना बनाने, रचना करने, डिजाइन बनाने और स्वयं के बहुमाध्यम Project तैयार करने में सहायता करते है। उनमें sound, speed, graphics, Animation, video scan की गई picture और Internet के माध्यम से प्राप्त की गई विषयवस्तु शामिल है।

ऐसे Programme के उदाहरण है-

Kid works 2, story book Theatre Amazing Animation, Multimedia Work shop.

Unit- 3 (समाप्त)

End of unit 3